स्वयं प्रतियोगी

रातोंकी अंगडाई जिनकी नींद उडा देती है

उनको सूरज की किरणें ख्वाब दिखाती है

जिनजिनका साया अंधेरेमेंमी साथ देता है

वह तनहाईमेंभी कभी अकेले नहीं होते है

जिनकी खामोशी हकीकत बयाँ करती है

वह तो बिना शब्दकी कहानी बता देते है

भावना व बुद्धीसे जब हम कर्म करते है

तब तक वह आत्मा से इतिहास रचते है